भारत 2023 INDIA

NATIONAL SEMINAR REPORT

of

"नई चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत–चीन सम्बंध"

16th & 17th March, 2024

Sponsored by

I.C.W.A., New Delhi

Organized by

Department of Defence and Strategic Studies

D.A-V. College, Kanpur

(Affiliated with Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, Uttar Pradesh)

Principal : **Prof. Arun Kumar Dixit,**
D.A-V. College, Kanpur

Convenor : **Prof Nirankar Prasad Tiwari**
Dept. of Defence & Strategic Studies,
D.A-V. College, Kanpur

Organizing Secretary : **Dr. Anil Kumar Singh,**
Dept. of Defence & Strategic Studies,
D.A-V. College, Kanpur

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

PRINCIPAL
D.A-V. COLLEGE, KANPUR

राष्ट्रीय संगोष्ठी आख्या

इण्डियन काउंसिल आफ वर्ल्ड अफेयर्स, नई दिल्ली

द्वारा वित पोषित

रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग, डी. ए–वी. कालेज, कानपुर

द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

16–17 मार्च, 2024

शीर्षक :–"नई चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत–चीन सम्बंध"

आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष की पावन बेला में दिनांक 16–17 मार्च 2024 को रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक अध्ययन विभाग डी.ए–वी कॉलेज कानपुर के सभागार में आई. सी. डब्ल्यू. ए. नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक "नई चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत चीन संबंध" का उदघाटन सत्र प्रातः 10:00 बजे से प्रारंभ हुआ उदघाटन सत्र का संचालन प्रोफेसर सुनीत अवस्थी द्वारा किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एम.एल.सी. अरुण कुमार पाठक जी मुख्य वक्ता मेजर जनरल पृथी सिंह जी सम्मानित अतिथि श्री रमेश चिंतक जी, प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित डी.ए–वी. कॉलेज कानपुर के साथ संयोजक प्रोफेसर एन.पी. तिवारी के साथ इस राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन सचिव डॉ अनिल कुमार सिंह मंचासीन हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत माननीय अतिथियों द्वारा सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया सरस्वती वंदना की प्रस्तुति डॉ0 श्रुति श्रीवास्तव द्वारा की गई तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत उदबोधन प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित प्राचार्य डी.ए–वी. कॉलेज द्वारा किया गया। इसके उपरांत संगोष्ठी से संबंधित पुस्तक "नई चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत चीन संबंध" का विमोचन किया गया आयोजन सचिव डॉ0 अनिल कुमार सिंह द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की गई जिसमें उन्होंने नवीन चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत चीन के बदलते रिश्तों के विश्लेषण के लिए इन दोनों देशों की आंतरिक राजनीति और आर्थिक नीति में आए बदलावों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में संक्षेप में बताया।

की नोट एड्रेस मुख्य वक्ता मेजर जनरल पृथी सिंह द्वारा दिया गया उन्होंने बताया कि भारत आज 1962 वाला भारत नहीं रहा वह हर मोर्चे पर सुदृढ़ और सशक्त होकर उभरा है यही

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
आयोजन सचिव
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

विभागाध्यक्ष
सैन्य ... विभाग
डी0ए0वी0 कालेज, कानपुर

PRINCIPAL
D.A-V. COLLEGE KANPUR

कारण है कि चीन, भारत से भयभीत है क्योंकि भारत ही उसका एकमात्र प्रतिस्पर्धी है आज के दौर में भारत सैनिक आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाने की ओर अग्रसर है।

मुख्य अतिथि एम.एल.सी अरुण कुमार पाठक जी ने कहा कि कोविड़–19 महामारी आपदा में अवसर बनकर आई क्योंकि भारत ने 100 से अधिक देशों में लगभग पी.पी. किट, सैनेटाइजर, दवाइयां, मास्क, लाइफ किट आदि कई देशों को मदद के लिए भेजा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने चीन की सच्चाई विश्व बिरादरी के सामने लाई जिसमें चीन का कद अब पहले की तुलना में कम हुआ है भारत विश्व विरादरी से लेकर व्यापार में भी चीन को अलग–धलग करने में काफी हद तक सफल हुआ है। अंत में संगोष्ठी के समन्वयक प्रोफेसर निरंकार प्रसाद तिवारी जी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रथम तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र की शुरुआत मंच संचालक डॉ0 दिवाकर पटेल जी द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत उदबोधन द्वारा किया गया तत्पश्चात इस सत्र की शुरुआत मेजर जनरल पृथी सिंह की अध्यक्षता में की गई उन्होंने बताया कि भारत अपनी आजादी के बाद से ही अपने पड़ोसी राष्ट्रों के हितों को ध्यान में रखकर उसके साथ सैन्य और मैत्रीपूर्ण संबंध हमेशा बनाएं रखे भूटान ,म्यांमार, श्रीलंका, नेपाल, अफगानिस्तान यहां तक की पाकिस्तान के साथ भी भारत ने हमेशा से ही मधुर संबंध बनाए रखने की कोशिश की।

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

विभागाध्यक्ष
सैन्य अध्ययन विभाग
डी०ए०वी० कालेज, कानपुर

PRINCIPAL
D.A-V. COLLEGE, KANPUR

आज के समय में भारत ने अपने आप को आर्थिक रूप से उभारने के साथ ही विश्व बिरादरी का ध्यान भारत के व्यापार और सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने में दिखाया है कोविड–19 के बाद भारत का कद बड़ा है। इस सत्र में ''भारत चीन सीमा विवाद'' थीम पर परिचर्चा की गई इस सत्र में कई शोधार्थियों और शिक्षकों द्वारा उक्त थीमों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ संजीव कुमार (सीनियर रिसर्च फेलो इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स नई दिल्ली) द्वारा भारत चीन संबंधों पर अति महत्वपूर्ण रिसर्च पेपर प्रस्तुत किया गया आपने विदेश मंत्री एस0 जयशंकर का हवाला देते हुये भारत–चीन संबंधों के "थ्री म्युचुअल सम्बन्धों की प्रासंगिकता को समझाया।

द्वितीय तकनीकी सत्र

द्वितीय तकनीकी सत्र की शुरुआत मंच संचालक डॉ. दिवाकर पटेल द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत उद्बोधन द्वारा की गई। सत्र में मुख्य थीम ''पाकिस्तान–चीन गठजोड़ और भारत की सुरक्षा'' इस तकनीकी सत्र की शुरुआत चेयरपर्सन प्रशांत अग्रवाल विभाग अध्यक्ष रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक अध्ययन विभाग इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर सुचिता पांडे प्रिंसिपल बी. एन. के. पी.जी कॉलेज अंबेडकर नगर (उत्तर प्रदेश), दूसरे मुख्य वक्ता के रूप में अभिषेक प्रताप सिंह डिपार्मेंट आफ पॉलीटिकल साइंस देशबंधु कॉलेज नई दिल्ली ने ''पाकिस्तान चीन गठजोड़ और भारत की सुरक्षा'' मुद्दों पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया। इस सत्र में अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर प्रशांत अग्रवाल जी ने बताया कि चीन समय–समय पर अरुणाचल को मुद्दा बनाकर सीमाविवाद उठाता रहता है। पाक अधिकृत कश्मीर में वह पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत विरोधी गतिविधियां अपनाता रहता है।

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

विभागाध्यक्ष
सैन्य अध्ययन विभाग
डी०ए०वी० कालेज, कानपुर

PRINCIPAL
D.A-V. COLLEGE KANPUR

दिनांक 17/03/2024

तृतीय तकनीकी सत्र

दिनांक 17/03/2024 को डी.ए–वी. कॉलेज के प्रांगण में नई चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत–चीन संबंध विषय पर हो रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन का प्रारंभ प्रातः 9:00 बजे तृतीय सत्र के शुभारंभ के साथ डी.ए–वी. कॉलेज के सभागार में किया गया। सत्र का प्रारंभ डॉ. दिवाकर पटेल ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया। मुख्य थीम थी "कोविड–19 के बाद चीन की चाल और भारतीय कूटनीति" इस तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता और चेयरपर्सन के रूप में एंबेसडर डॉ. दीपक बोहरा लेसाथों और गिनीबिसाऊ के प्रधानमंत्रियों के विशेष सलाहकार द्वारा की गई उन्होंने कहा कि सर्वश्रेष्ठ टेंपल ऑफ लर्निंग डी.ए–वी. कॉलेज आया हूं कारगिल समिति और लेह के आप विशेष सलाहकार है। दुनिया का कोई भी देश चीन पर विश्वास नहीं कर सकता वह अभी आपसे वादा करेंगे और साम तक वह अपना समझौता तोड़ देंगे चीन यह मानता है कि वह विश्व पर काबू करेगा और विश्व की सर्वश्रेष्ठ महाशक्ति बनेगा। लेकिन यह सच नहीं है क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है प्रॉपर्टी सेक्टर खत्म हो रहा है, बैंकिंग सेक्टर खत्म हो रहा है यह आपने बताया इस तकनीकी सत्र के प्रथम मुख्य वक्ता प्रोफेसर रजनीकांत पांडे भूतपूर्व उपकुलपति सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश कोविड–19 के बाद चीन की चाल और भारतीय कूटनीति पर विस्तार से चर्चा की प्रो. रजनीकांत पांडे जी ने कहा कि भारत ने विश्व में अपनी चिकित्सा कूटनीति के अलावा अपने नागरिकों को अन्य देशों से निकलना दूसरे देशों के नागरिक को अपने वतन भेजना रहा हो भारतवर्ष ने महामारी के दौरान कई देशों को खाद्यान उपलब्ध

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

PRINCIPAL
D.A-V. COLLEGE, KANPUR

कराना रहा हो कॉविड–19 महामारी ने भारत के क्षेत्रीय और विश्व स्तर पर दोनों का नेतृत्व करने के लिए एक स्पेक्ट्रम प्रदान किया है।

चतुर्थ तकनीकी सत्र

चतुर्थ तकनीकी सत्र का शुभारंभ 11:00 बजे महाविद्यालय के सभागार में हुआ। सत्र का संचालन डॉ. दिवाकर पटेल द्वारा अतिथियों के स्वागत उद्बोधन द्वारा किया गया। इस सत्र की मुख्य थीम थी "अफगानिस्तान में तालिबान का उदय और भारत चीन संबंध" पर आधारित तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. रजनीकांत पांडे भूतपूर्व कुलपति सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी (उ. प्र.) थे। इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर श्रीनिवास मनी त्रिपाठी भूतपूर्व विभाग अध्यक्ष रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी गोरखपुर ने कहा कि चीन कभी भी किसी के लिए नहीं, बस वह अपना स्वार्थ परक राजनीति से भारत को अस्थिर करना चाहता है जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पड़ोसी राष्ट्रों पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल को अस्थिर करने के लिए वहां विकास परक योजनाएं चलाने के लिए धन मोहैया कराता है फिर जब राष्ट्र नहीं चुका पाते हैं तो उसकी जमीन और बंदरगाहों पर कब्जा जमाता है। अफगानिस्तान में अस्थिरता को वह उपलब्धि की दृष्टि से देखता है। अतः भारत को चीन से हमेशा सावधान रहना होगा।

इस तकनीकी सत्र के द्वितीय मुख्य वक्ता प्रो. पंकज झा ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी सोनीपत ने कहा कि कोविड–19 के बाद विश्व राजनीति में बढ़ते भारत के कद को चीन बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। इस तकनीकी सत्र में अनेक शोधार्थियों द्वारा संबंधित विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

विभागाध्यक्ष
सैन्य अध्ययन विभाग
डी०ए०वी० कालेज, कानपुर

PRINCIPAL

<u>समापन सत्र</u>

डी.ए–वी. कॉलेज कानपुर के सभागार में हो रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र 1:30 बजे प्रारंभ हुआ। इस सत्र के मुख्य अतिथि एंबेसडर दीपक बोहरा प्राचार्य प्रो.डॉ. अरुण कुमार दीक्षित संयोजक प्रो. निरंकार प्रसाद तिवारी आयोजन सचिव डॉ. अनिल कुमार सिंह मंचासीन हुए। मंच संचालन प्रो. सुनित अवस्थी जी द्वारा माननीयो का स्वागत उद्‌बोधन

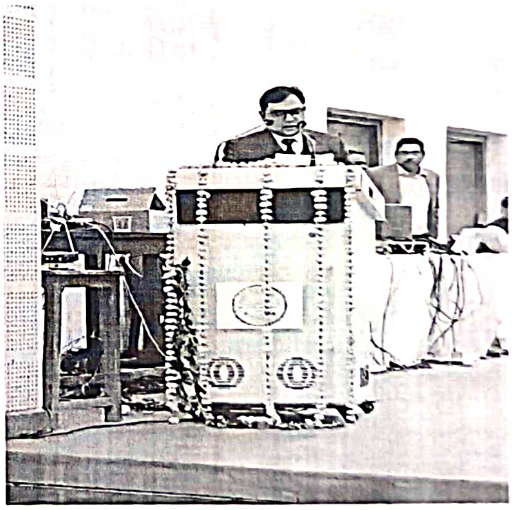

द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. अम्बेस्डर दीपक बोहरा ने कहा कि हिन्द महासागर में हमारे सुरक्षा बलों में कई असुरक्षित देशों को सुरक्षा प्रदान करके दुनिया को यह लोकतान्त्रिक संदेश दिया है कि हम अपनी तथा अपने देश की सुरक्षा करने में पूर्ण सक्षम हैं। यह नया भारत है जो तीर्व गति से विकास कर रहा है, साथ ही अन्य देशों को सहायता और सहयोग प्रदान कर रहा है।

आयोजन सचिव डॉ अनिल कुमार सिंह ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की विस्तृत आख्या प्रस्तुत की अंत में संयोजक प्रो. निरंकार प्रसाद तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अध्यक्ष जी की अनुमति से राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। उपरोक्त तथ्यों एवं

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

सैन्य विज्ञान विभाग
डी०ए०वी० कालेज, कानपुर

संगोष्ठी में आए विद्वानों के विचारों से यह स्पष्ट है की नई चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में भारत–चीन संबंध एक नई चुनौतियों से गुजर रहे हैं। जहां भारत विश्व की महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। चीन नित्य नहीं चुनौतियां भारत के समक्ष प्रस्तुत करता आ रहा है लेकिन भारत का कद उतना ही ऊंचा होता जा रहा है। जहां एक ओर विश्व राजनीति में भारत विश्वास हासिल करता जा रहा है वहीं चीन संपूर्ण विश्व बिरादरी में कोविड–19 के बाद विश्वघाती और धोखेबाज राष्ट्र के रूप में उभरा है।

इस अवसर पर प्रो0 संध्या सिंह, डॉ0 रमा भाटिया, डॉ0 अभर राज पटेल, प्रो0 पुष्पेंद्र त्रिपाठी, चीफ प्राक्टर रजत कुमार, डॉ0 अमरेंद्र प्रताप गोंड, डॉ0 दिवाकर पटेल, डॉ0 वी0के0 दुबे, डॉ0 डी0पी0 राव, डॉ0 विशाल कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 सवितुर प्रकाश, डॉ0 अमित रघुवंशी, राज कटियार, रावेन्द्र पटेल, अमन शर्मा, ऋषि व शोधार्थी, उपस्थित रहें व नान टीचिंग सहयोगियों में रामलाल, राजेश दीक्षित, राहुल सिंह आदि उपस्थित रहें।

डॉ0 अनिल कुमार सिंह
असि0 प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
डी0ए–वी0 कालेज, कानपुर

विभागाध्यक्ष
सैन्य अध्ययन विभाग
डी०ए०वी० कालेज, कानपुर

PRINCIPAL
D.A-V. COLLEGE, KANPUR